बड़ी दुर से चलकर आया हूं मेरे दादा तेरे दर्शन के लिए

बड़ी दुर से चलकर आया हूं,
मेरे दादा तेरे दर्शन के लिए ।
एक फुल गुलाब का लाया हूं,
चरणों में तेरे रखने के लिए ॥

ना रौली मोली चावल हैं,
ना धन दौलत की थैली हैं ।
दो आंसू बचाकर लाया हूं,
बस पूजा तेरी करने के लिए ॥

ना रंगमहल की अभिलाषा,
ना इच्छा सोने चांदी की ।
तेरी दया की दौलत काफी है,
बस झोली मेरी भरने के लिए ॥

मेरे दादा इच्छा नहीं मेरी,
अब यहां से वापस जाने की ।
चरणों में जगह दे दो थोड़ी,
मुझे जीवनभर रहने के लिए ॥

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1728/title/badi-dur-se-chalkar-aaya-hun-mere-dada-tere-darshan-ke-liya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |